Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 16 दिसंबर, 2023

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष पर जश्न मनाया गया।

- काशी विश्वनाथ कॉरिडोर प्रतिष्ठित काशी विश्वनाथ मंदिर तथा गंगा नदी के घाटों को जोड़ता है।
  - काशी विश्वनाथ मंदिर **भगवान शिव** को समर्पित सबसे प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों में से एक है।
  - यह मंदिर पवित्र **गंगा नदी के पश्चिमी तट** पर स्थित है तथा **बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक** है, जो **सबसे पवित्र शिव मंदिर** है।
  - काशी विश्वनाथ धाम भारत के शीर्ष तीर्थ स्थलों में से एक बन गया है क्योंकि आँकड़ों के अनुसार विगत दो वर्षों में लगभग 12.9 करोड़ श्रद्धालुओं ने मंदिर का दर्शन किया।

और पढ़ें...काशी विश्वनाथ कॉरिडोर

महामारी समझौता

हाल ही में **28 देशों** के प्रतिनिधियों द्वारा **महामारी समझौते** पर सातवें दौर का विचार-विमर्श संपन्न हुआ।

- इस समझौते का उद्देश्य **बीमारी के संक्रमण** की वैश्विक रोकथाम, तत्परता तथा उपचार को सशक्त करना है।
- संबद्ध प्रतिनिधि बौद्धिक संपदा अधिकार एवं रलैक्सिग पेटेंट पर आम सहमति कायम करने में विफल रहे।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका** ने **बौद्धिक संपदा अधिकारों (IPR)** की सुरक्षा पर अपना रुख नहीं बदला, यह दोहराते हुए कि उन्हें रद्द करने से आपात स्थिति के दौरान गरीब देशों के लिये पहुँच में सुधार नहीं होगा।
- **विकसित** और **विकासशील देशों** की राय अलग-अलग थी, **विकसित देशों ने रोकथाम** पर ध्यान केंद्रित किया तथा **विकासशील** देशों ने संधि में गारंटी के तौर पर चिकित्सा उत्पादों तक **एकसमान पहुँच** की मांग की।
- पेटेंट अधिकारों को बरकरार रखने एक विषय में **इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स एंड एसोसिएशन** ने अपनी सहमति जताई।

बाराकुडा: भारत की सौर-इलेक्ट्रिक समुद्री नाव

भारत की **सबसे तेज़ सौर-इलेक्ट्रिक नाव, अलाप्पुझा में बाराकुडा का लॉन्च**, पर्यावरण-अनुकूल समुद्री परिवहन में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

- **Navalt सोलर एंड इलेक्ट्रिक बोट्स** द्वारा विकसित, 14 मीटर लंबा जहाज़ दक्षता और स्थिरता का प्रतीक है, जो 12 यात्रियों एवं वस्तुओं के साथ अशांत समुद्र में भी परिवहन करने में सक्षम है।
- इसे चार मीटर तक ऊँची तरंगों को नेविगेट करने के लिये तैयार किया गया जो शोर, कंपन या वायु प्रदूषण के बिना कार्य करता है।

//

और पढ़ें: भारत का समुद्री सिद्धांत

मालदीव ने भारत का हाइड्रोग्राफी समझौता समाप्त किया

वर्तमान मालदीव की सरकार ने **'इंडिया फर्स्ट' नीति** से खुद को अलग करते हुए, राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं और संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा का हवाला देते हुए **भारत के साथ हाइड्रोग्राफी समझौते को नवीनीकृत नहीं करने का विकल्प** चुना है।

- भारतीय प्रधानमंत्री की मालदीव यात्रा के दौरान **8 जून, 2019 को हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण समझौते पर हस्ताक्षर** किये गए थे।
    - समझौते के तहत भारत को द्वीप राष्ट्रों के क्षेत्रीय जल का व्यापक अध्ययन करने की अनुमति दी गई,**जिसमें चट्टानें, लैगून, समुद्र तट, समुद्री धाराएँ और ज्वार का स्तर शामिल** हैं।
- भारतीय नौसेना और **मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (MNDF)** द्वारा तीसरा संयुक्त हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण 19 जनवरी से 26 फरवरी, 2023 तक भारतीय नौसेना जहाज़ अन्वेषक **(INS Investigator)** द्वारा किया गया था।
- इससे पहले, मालदीव की मौजूदा सरकार ने भी **भारत से द्वीप से अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने का अनुरोध** किया था।

और पढ़ें: भारत- मालद्वीप संबंध

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-16-december,-2023